जैविक खेती में सतत प्रबंधन अपनाकर पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन के विकल्पों की भूमिका" पर एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन की रिपोर्ट

Report on one day workshop on "Role of eco-friendly pest management options in organic farming by adopting sustainable management"

भा॰वा॰अ॰शि॰प॰-हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला द्वारा **#मिशनलाइफ** के अंतर्गत 31 जुलाई, 2023 को संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बीड़ प्लासी, नालागढ़ में "जैविक खेती में सतत प्रबंधन अपनाकर पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन के विकल्पों की भूमिका" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बीड़ प्लासी पंचायत के 20 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया । संस्थान के वन संरक्षण प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ॰ पवन कुमार, वैज्ञानिक- एफ़ ने रासायनिक कीटनाशकों के अविवेकपूर्ण उपयोग के बारे में बताया और कहा कि इनके उपयोग से लाभकारी कीटों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने वानिकी प्रजातियों जैसे ओक, देवदार, और अन्य चौड़ी पत्ती वाले वृक्ष को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न कीटों एवं उनके पर्यावरण हितेषी नियंत्रण के तरीकों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने आगे कहा कि अधिक उत्पादन के लिए किसान द्वारा खेतों में हानिकारक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता को नुकसान होता हैं । पर्यावरण अनुकूल तकनीकों के उपयोग से हम मिट्टी की उर्वरता में सुधार के अलावा सतत आधार पर सभी के लिए स्वस्थ भोजन उपलब्ध करवाने में सक्षम होंगे। ऐसी तकनीकों के प्रयोग से हमारा पर्यावरण स्वस्थ, रहने योग्य एवं स्वच्छ तथा जैव विविधता से समृद्ध होगा । श्री विपिन कुमार, वरिष्ठ तकनीशियन ने मिशन लाइफ की गतिविधियों मे बारे में तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बीड़ प्लासी में जारी विभिन्न परियोजनों के बारे में प्रतिभागियों को अवगत करवाया

कार्यक्रम की झलकियाँ

nike

CELTICS

****